आगामी विश्वयुद्धके समय डॉक्टर, वैद्य, औषधि आदि की
अनुपलब्धताकी स्थितिमें तथा सामान्यतः भी उपयुक्त ग्रन्थमाला !

विकार-निर्मूलन हेतु रिक्त गत्तेके बक्सोंसे उपचार (भाग १)

महत्त्व एवं उपचार-पद्धतिका अध्यात्मशास्त्र

卐 भूमिका 卐

'वर्तमान कलियुगमें लगभग प्रत्येक व्यक्ति अनिष्ट शक्तियोंसे पीडित है । व्यक्तिको होनेवाले अधिकांश शारीरिक तथा मानसिक विकारोंका मूल कारण होता है 'अनिष्ट शक्तियोंकी पीडा' । आध्यात्मिक स्तरके कारणोंको नष्ट करने हेतु आध्यात्मिक स्तरपर ही उपचार करना पडता है। 'रिक्त गत्तेके बक्सोंसे उपचार' एक उत्तम आध्यात्मिक उपचार है ।

रिक्त (खाली) बक्सेमें रीतापन होता है । इस रीतेपनमें आकाशतत्त्व होता है । आकाशतत्त्वसे आध्यात्मिक उपचार होते हैं । आध्यात्मिक उपचारोंके लिए बक्सेका उपयोग करनेसे व्यक्तिकी देह, मन तथा बुद्धि पर आया कष्टदायक शक्तिका आवरण, तथा व्यक्तिमें विद्यमान कष्टदायक शक्ति बक्सेकी रिक्तिमें खिंचकर नष्ट हो जाती है । विकारोंका मूल कारण ही नष्ट हो जानेके कारण विकार भी शीघ्र नष्ट होनेमें सहायता मिलती है।

बक्सोंसे उपचार, एक अत्यन्त सरल तथा बन्धनरहित उपचार-पद्धति है । बक्सोंसे उपचार केवल उपचारके रूपमें करनेके साथ ही दैनिक क्रियाकलाप, अध्ययन, यात्रा इत्यादि करते समय भी किए जा सकते हैं । सोते समय भी आसपास बक्से रखकर उपचार किए जा सकते हैं । कभी-कभी रोगी थकान, तीव्र मानसिक अस्वस्थता आदि के कारण नामजप, मन्त्रजप जैसे उपचार नहीं कर पाता । ऐसे समय व्यक्तिपर बक्सोंसे उपचार किए जा सकते हैं । भावी भीषण आपातकालमें हो सकता है कभी औषधीय वनस्पति उपलब्ध न हो; परन्तु बक्सोंसे उपचार कहीं भी किए जा सकते हैं।

卐 卐

इस उपचार-पद्धतिका व्यय न्यून (कम) है । महंगी औषधियां, चिकित्सकीय जांच आदि पर ढेर सारे पैसे व्यय करनेकी तुलनामें बक्से बनानेका व्यय नगण्य है ।

ग्रन्थके पहले (प्रस्तुत) भागमें बक्सोंका शास्त्रीय महत्त्व बतानेके साथ ही शरीरपर बक्सोंसे उपचार करनेके विविध स्थान, बक्सा कैसे बनाएं आदि का भी विवेचन किया है ।

किसी भी उपचार-पद्धतिमें रोगीकी उन उपचारोंपर श्रद्धा महत्त्वपूर्ण होती है । यह श्रद्धा निर्माण होने हेतु बक्सोंसे उपचारसे लाभान्वित होनेकी कुछ चयनित अनुभूतियां भी प्रस्तुत ग्रन्थमें दी हैं ।

वर्तमान कलियुगके मानवका अध्यात्मशास्त्रकी अपेक्षा विज्ञानपर अधिक विश्वास है । बक्सोंकी उपचार-पद्धति सम्बन्धी वैज्ञानिक प्रणालीके आधारपर किए शोधरूपी प्रयोग भी ग्रन्थमें दिए हैं । इन प्रयोगोंका विवेचन पढकर विज्ञानवादियोंकी भी इस उपचार-पद्धतिपर श्रद्धा निर्माण होनेमें सहायता होगी ।

'रिक्त गत्तेके बक्सोंसे उपचार' इस ग्रन्थके दूसरे भागमें विकारोंके अनुसार विशिष्ट नापके बक्सोंका उपयोग, बक्सोंसे उपचार करनेकी विविध पद्धतियां, बक्सोंसे उपचारोंकी फलोत्पत्ति बढाने हेतु नामजप तथा मुद्रा अथवा न्यास करना आदि सम्बन्धी मार्गदर्शन किया है ।

'बक्सोंसे उपचार कर अधिकाधिक रोगी शीघ्रातिशीघ्र विकारमुक्त हों', यह श्री गुरुचरणोंमें तथा विश्वपालक श्रीनारायणके चरणोंमें प्रार्थना है !'

- डॉ. जयंत बाळाजी आठवले, संकलनकर्ता

ईश्वरप्राप्ति हेतु उचित साधना समझानेवाला सनातनका ग्रन्थ

अध्यात्मका प्रस्तावनात्मक विवेचन

प्रस्तुत ग्रन्थकी अनुक्रमणिका

१. वर्तमान कलियुगमें मनुष्यके अधिकांश विकारोंका मूल कारण है ‘आध्यात्मिक कष्ट’ ! २३

२. आध्यात्मिक कष्टोंपर किए जानेवाले उपचार अर्थात ‘आध्यात्मिक उपचार’ २३

३. आध्यात्मिक उपचारोंमेंसे ‘रिक्त बक्सोंसे उपचार’, यह आकाशतत्त्वके स्तरके उपचार होना तथा आकाशतत्त्वके उपचार, पंचतत्त्वोंके उपचारोंमें सर्वश्रेष्ठ होनेसे रिक्त बक्सोंके उपचार अधिक प्रभावी होना २३

४. रिक्त बक्सोंसे आध्यात्मिक उपचार होनेकी प्रक्रिया २४

५. विकार-निर्मूलन हेतु रिक्त बक्सोंसे उपचार पिरामिडके उपचारोंसे अधिक लाभदायक ! २५

६. गत्तेके बक्सोंसम्बन्धी सामान्य जानकारी २६

६ अ. कौनसे आकारके बक्सेका उपयोग करें ? २६

६ आ. बक्सा यथासम्भव श्वेत रंगका हो ! २९

६ इ. वस्तुकी रिक्तिका महत्त्व अधिक तथा ‘वस्तु किससे बनी है’, इसका महत्त्व गौण ३०

७. बक्सोंसे उपचार करने हेतु शरीरके स्थान ३०

७ अ. शरीरके कुण्डलिनी-चक्रोंके स्थानपर बक्सोंसे उपचार करें ! ३०

७ आ. शरीरके विकारग्रस्त अवयवोंपर बक्सोंसे उपचार करें ! ३०

७ इ. विकारसे सम्बन्धित नवद्वारोंके स्थानपर बक्से रखना ३२

८. गत्तेके बक्सोंसे शरीरपर उपचार करनेका क्रम ३२

८ अ. बक्सोंसे उपचार कुण्डलिनीचक्रोंके स्थानोंपर करना ३३

८ आ. एक बक्सेसे कुण्डलिनीचक्रपर और दूसरे बक्सेसे विकारग्रस्त अवयवपर उपचार करना ३३

८ इ. बक्सोंसे उपचार विकारग्रस्त अवयवपर करना ३३

८ ई. बक्सोंसे उपचार विकारोंसे सम्बन्धित नवद्वारोंपर करना ३३

९. बक्सोंसे उपचार करते समय किया जानेवाला नामजप, मुद्रा तथा न्यास, तथा न्यास करनेके स्थानोंका प्राथमिक परिचय ३४

१०. उपचारोंके लिए विविध आकारके बक्से कैसे बनाएं ? ३६

११. 'महर्षि अध्यात्म विश्वविद्यालय'का बक्सोंसे उपचारोंसम्बन्धी वैज्ञानिक परीक्षण ४५

१२. बक्सोंसे उपचार करनेसे विकार दूर होनेसम्बन्धी अनुभूतियां ५८

१३. देवालय अथवा सन्तोंके आश्रम भी हैं एक बडे बक्सेसमान ! ६१

१४. उपचारोंके साथ-साथ प्रतिदिन साधना करनेका महत्त्व ६२

१५. आगामी कालमें भीषण आपदाओंसे बचने हेतु साधना करना तथा भगवानका भक्त बनना अपरिहार्य ! ६३

देवताओंके प्रति श्रद्धा बढानेवाला सनातनका ग्रन्थ !

- शालीग्रामकी विशेषताएं कौनसी है ?
- श्रीविष्णुको तुलसी चढानेका कारण क्या है ?
- श्रीकृष्णने अर्जुनको ही गीता क्यों सुनाई ?
- राजा, बंधु, मित्र, ऐसे सर्वार्थसे राम आदर्श कैसे ?
- श्रीकृष्णकी सामाजिक, राजनैतिक एवं युद्धसंबंधी विशेषताएं क्या हैं ?